Supplement—II

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 8-2021] CHANDIGARH, TUESDAY, FEBRUARY 23, 2021 (PHALGUNA 4, 1942 SAKA)

General Review

रजिस्ट्रेशन विभाग, हरियाणा की वर्ष 2016–17 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पर समीक्षा।

दिनांक 1 फरवरी, 2021

क्रमांक नं० 3046–स्टर–62020/675.—

1. रजिस्ट्रेशन कार्यालय

इस वर्ष रजिस्ट्रेशन कार्यालय की संख्या 137 रही जबकि गत वर्ष यह संख्या 131 थी।

2. अनिवार्य तथा वैकल्पिक रजिस्ट्रेशन

इस वर्ष 504655 अनिवार्य वसीके रजिस्ट्रर्ड हुए। इनकी कीमत 662853956413/– रूपए थी। पिछले वर्ष कुल 596527 अनिवार्य वसीके रजिस्ट्रर्ड हुए जिनकी कीमत 832070253099/– रूपए थी। इस वर्ष 5637 वैकल्पिक वसीके रजिस्ट्रर्ड हुए जिनकी कीमत 369894/– रूपए थी जबकि पिछले वर्ष यानि 2015–16 के दौरान ऐसे वसीके 7341 रजिस्ट्रर्ड हुए जिनकी कीमत 377219/– रूपए थी।

3. आय तथा व्यय

वर्ष 2016–17 अवधि के दौरान 4220607947/– रूपए की आय हुई जबकि गत वर्ष 2015–16 में 2212816850/– रूपए की आय हुई थी। गत वर्ष की भान्ति इस वर्ष भी कोई व्यय नहीं हुआ।

4. रजिस्ट्रेशन फीस की कमी को पूरा करना।

वर्ष 2015–16 के अन्त तक 36078331/– रूपए की पंजीकरण फीस वसूल करनी शेष थी। महानिरीक्षक पंजीकरण, रजिस्ट्रारों, आडिट पार्टियों द्वारा निरीक्षण करते समय 13260172/– रूपए की कमी निकाली गई थी जिसके फलस्वरूप 49338503/– रूपए की वसूली करनी थी। इस राशि में से 4221168/– रूपए की वसूली कर ली गई है। दिनांक 31–3–2017 को 45117335/– रूपए की वसूली करनी शेष रही।

5. सबसे लम्बा और न्यून वसीका/वसीकों की सबसे अधिक/थोड़ी राशि पंजीकरण फीस की रकम का वसीका

सबसे लम्बा वसीका 147700 शब्दों का सब रजिस्ट्रार अम्बाला शहर जिला अम्बाला में रजिस्ट्रर्ड हुआ और न्यून वसीका 49 शब्दों का सब रजिस्ट्रार रायपुररानी जिला पंचकूला के कार्यालय में रजिस्ट्रर्ड हुआ। रिर्पोटाधीन अवधि में सबसे अधिक राशि 421948800/– रूपए की जायदाद का वसीका सब रजिस्ट्रार राई जिला सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्रर्ड हुआ, सबसे कम राशि 563/– रूपए का वसीका सब रजिस्ट्रार नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्रर्ड हुआ।

6. **सबसे अधिक वसीकों का रजिस्ट्रर्ड होना**

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान सबसे अधिक 16059 वसीके सब–रजिस्ट्रार कार्यालय रोहतक जिला रोहतक में रजिस्ट्रर्ड हुए।

7. **पंजीकरण कार्यालयों का निरीक्षण/भ्रष्टाचार**

वर्ष 2016–17 मे निरीक्षण अधिकारियों द्वारा 116 पंजीकरण कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। भ्रष्टाचार का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। चौकसी विभाग की रिर्पोट शून्य समझी जाए।

8. **सहकारिता समितियों से सम्बन्ध रखने वाले वसीके**

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान सहकारिता समितियों से संबंधित 1255 वसीके पंजीकृत किए गए जिन पर 736358500/– रूपए की फीस की छूट की गई, जबकि वर्ष 2015–16 के दौरान 5075 वसीके रजिस्ट्रर्ड हुए थे, जिन पर 3311075701/– रूपए की फीस की छूट दी गई थी।

9. **विभागाध्यक्ष**

रिपोर्टाधीन वर्ष 2016–17 (01–04–2016 से 20–04–2016) के दौरान डॉ० सुप्रभा दहिया, आई०ए०एस० बतौर महानिरीक्षक रहे व (26–04–2016 से 31–03–2017) के दौरान श्री विजयेन्द्र कुमार, आई०ए०एस० बतौर महानिरीक्षक रजिस्ट्रेशन रहे।

चण्डीगढ़:
दिनांक 6 सितम्बर, 2019.

नवराज संधु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त, हरियाणा सरकार,
राजस्व एवं आपदा प्रबन्धन विभाग।

Review on the Annual Administrative Report of the Registration Department, Haryana for the Year 2016-2017

The 1st February, 2021

No. 3046-Reg-62020/675.—

1. **Registration Officers**

During the year under report the numbers of registration offices were 137 while the previous year were 131.

2. **Compulsory/optional Registration**

During the year 504655 compulsory deeds were registered. The value of these deeds was to the tune of Rs. 662853956413/- In the previous year 596527 compusory deeds were registered and the value of these deeds was Rs. 832070253099/-. During the year 5637 optional deeds were registered total value of which was Rs. 369894/- whereas 7341 such deeds involving value of Rs. 377219/- were registered during the last year i.e. 2015-16.

3. **Income and Expenditure**

In the year 2016-17 there was an income of Rs. 4220607947/- whereas in the year 2015-16 there was an income of Rs. 2212816850/- No expenditure was incurred during the period under report as per last year.

4. **Recovery of deficient amount of Registration Fees**

At the end of year 2015-16 a sum of Rs. 26078331/- remained to be recovered as registration fee. A deficiency of Rs. 13260172/- was further detected through audit/inspection carried out by the Inspector General of Registration, Registrars and Audit Parties during the year under report making the total recoverable amount Rs. 49338503/-. Out of this, a sum of Rs. 4221168/- was recovered during the year under report, leaving a balance of Rs. 45117335/- on 31-3-2017.

5. **Longest/shortest deeds of maximum and minimum consideration amount/deeds of maximum and minimum amount of registration fee.**

The longest deed of 14700 words was registered in the office of Sub-Regisrar Ambala City District Ambala whereas the shortest deed of 49 words was registered by the Sub-Regisrar, Raipurrani, District Panchkula. A deed of maximum amount of Rs. 421948800/- was registered in the office of Sub-Registrar, Rai, District Sonepat. A deed of minimum amount of Rs. 563/- was registered in the office of Joint Sub-Regisrar, Narnaul, District Mahendergarh.

6. Registration of maximum deeds in a registration office

A maximum of Number of 16059 deeds were registered in the office of Sub-Registrar, Rohtak, District Rohtak during the year under report.

7. Inspection of the registration offices/cases of corruption

During the year 2016-17 Inspecting Officers carried out inspection of 116 registration offices. No case of corruption was registered during the period under the report. The report of Vigilance Department may be treatred as nil.

8. Deeds concerning Cooperative Societies

During the year under report 1255 deeds concerning Cooperative Societies were registered and fee of Rs. 736358500/- was remitted, whereas during the year 2015-16, 5075 deeds were registered and fee of Rs. 3311075701/- was remitted.

9. Head of Department

During the year under report the following held the charge of the post of Inspector General of Registration:-

1.	Dr. Suprabha Dahiya, IAS	01-04-2016 to 20-04-2016
2.	Sh. Vijayendra Kumar, IAS	26-04-2016 to 31-03-2017

Chandigrah:
The 6th September, 2019.

NAVRAJ SANDHU,
Additional Chief Secretary & Financial Commissioner to
Government Haryana, Revenue and Disaster Management Department.

9055—C.S.—H.G.P., Pkl.